Total No. of Questions-7] [Total No. of Printed Pages-2

B.A.M.S. II Profesional Examination

Ayur - II/3(R)

213417

RAS SHASTRA

Course No. - II (A & B)

Time Allowed- 3 Hours *Maximum Marks-100*

Note : Use Separate Answer Sheet for each Part.

PART - A

1. औषद्य एवं भैषज्य में अन्तर स्पष्ट करते हुए भैषज्य कल्पना का क्रमिक विकास कैसे हुआ, वर्णन करें। (7+8=15)

2. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे:- (5+5+5+5=20)
   क) शुष्क एवं आर्द्र द्रव्यो के गृहण नियम।
   ख) अर्क निर्माण विधि।
   ग) क्षार कल्पना।
   घ) डिसेन्टीगृटर। (Disintegrator)

3. विस्तृत रूप से वर्णन करें :-
   A) स्नेह सिद्धि के लक्षणो का वर्णन करते हुए "जिफला घृत" का वर्णन करें।
   B) सद्यांन कल्पना के सिद्धि के लक्षण बताते हुए "तक्रारिष्ट" का वर्णन करें
   C) "तक्र" एवं "छच्छिका" में अन्तर बताते हुए इनकी चिकित्सीय उपयोगिता लिखें।

PART - B

Note: Attempt all questions.

1. Explain GMP in accordance to schedule - T? **(10)**

2. Explain Nasyopacharàrth kalpana in detail? **(10)**

3. Short answers **(18)**

   a) Siktha taila & Gandhak malahara **(3+3=6)**

   b) Upnaha & Shatadhouta Ghrita **(3+3=6)**

   c) Ashchyotana & tarpana **(3+3=6)**

4. Short answers **(12)**

   a) Define standard? Need for standardization **(2+4=6)**

   b) Types of Basti? **(6)**

688/Ayu/10

Total No. of Questions-8] [Total No. of Printed Pages-2

B.A.M.S II Professional Degree Examination

Ayur - II/6(A)

218434

RAS SHASTRA AVAM BHAISHAJYA KALPANA

Course No. I

Time Allowed-3 Hours *Maximum Marks-100*

नोट: सभी प्रश्नों के अंक दर्शाये गये है। प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों के एक स्थान पर ही लिखें।

भाग – क

1. पारद के भेद एवं गतियों का वर्णन करते हुए, पारद के अष्ट संस्कारों का विस्तृत वर्णन करें। **(2+3+10=15)**

2. रसशाला में कर्म विभाजन को समझाते हुये, हेमगर्भ पोटली की निर्माण विधि एवं आमयिक प्रयोग लिखें। **(8+7=15)**

3. संक्षिप्त वर्णन करें। **(2×5=10)**

   क) निरूत्थ

   ख) द्रावकगण

   ग) दोलायन्त्र

   घ) पक्व मूषा

   ङ) पाताल कोष्ठी

4. पुट का संक्षिप्त एवं Muffle Furnace का विस्तृत वर्णन करें। (10)

भाग – ख

5. वैक्रान्त का विस्तृत वर्णन करें। (15)

(3×5=15)

6. संक्षिप्त वर्णन करें।

   क) हरताल के भेद

   ख) हिंगुल शोधन

   ग) गोदन्ती मारण

   घ) अभ्रक भस्म का अभृतीकरण

   ङ) रत्नों के दोषों का वर्णन।

(2×5=10)

7. संक्षिप्त वर्णन करें।

   क) लौह के भेद

   ख) वंग का शोधन

   ग) यशद मारण

   घ) पीतल का शोधन

   ङ) वर्तलौह की निर्माण विधि

8. उपविषों का वर्गीकरण करते हुये, वत्सनाभ के अहित प्रभाव व नाशक द्रव्य का नाम लिखकर शोधन का वर्णन करें।

(5+5=10)

21843

Total No. of Questions: 4 + 3] [Total No. of Printed Pages – 3

AYUR-II/7(A&S)

220661

B.A.M.S PAPER – I

(Ras Shastra Evam Bhaishjya Kalpanan)

(Part A & B)

Time Allowed: 3 Hours Maximum Marks: 50 + 50

Note: Use Separate Answer Sheet for each part.

Part – A

Note: Attempt all questions.

1. निम्नलिखित को समझाऐं :-

(i) पारद के मूर्च्छन एवं बोधन संस्कार का वर्णन करें। (6)

(ii) भावना एवं अपूर्ण भव (6)

2. सचित्र वर्णन करें :-

(i) बालुका यंत्र (5)

(ii) मूषा (CRUCIBLE) (5)

(iii) खल्व यंत्र (5)

(iv) भूधर पुट (5)

3. टिप्पणी :-

(i) रस एवं रसायन में अंतर बताते हुए, रस औषधि की विशेषता बतायें। (4)

(ii) द्रावक गुण एवं लवण पंचक। (4)

4. रस सिंदूर का विस्तृत वर्णन करें। (10)

Part – B

Note: ***Attempt all questions. Answer the question in sequence.***

1. **While giving a brief description of Maharasas, describe Shodhan of Abhraka. Also provide manufacturing process of Dhanyabhraka with its usage.** **(10)**

2. Provide short notes on the following:

   (a) Gandhak Shodhan; one Yog (combinations)

   (b) Shodhan of Hingula

   (c) Arogyavardhini Vati

   (d) Navayas Lauha (5, 5, 5, 5)

3. Provide brief description:

   (a) introduction of Kuchala. Give Shodhan, therapeutic uses, dose, antidote and one combination (Yog) (10)

   (b) Describe Godanti Shodhan. Give therapeutic uses, dose and one combination (Yog) (10)

----------<>----------

Total No. of Questions-5] [Total No. of Printed Pages-1

B.A.M.S II Professional Degree Examination

Ayur-II/6 (A)

218444

RAS SHASTRA AVAM BHAISHAJYA KALPANA

Course No. - II

Time Allowed-3 Hours *Maximum Marks-100*

Note: All questions are compulsory.

1. Explain the Pramatya kalpana completion test, dose and shelf life of Sneha Kalpana with tail murchana and ghrita murchana. **(20)**

2. Explain in detail Panchvidda kasaya kalpana and describe their importance. **(20)**

3. Short essay
   a) Narikela Lavana
   b) Guduchi Satva
   c) Avaleha Siddha Lakshana
   d) Triphala Guggulu **(5×4=20)**

4. Define Sandhana Kalpana in detail. **(20)**

5. Short essay
   a) Pathya Kalpana
   b) Basti Vidhi
   c) Malhara Kalpana
   d) Drug and Cosmetics Act **(5×4=20)**

Total No. of Questions: 2 + 3] [Total No. of Printed Pages – 3

AYUR-II/7(S)

225978

B. A. M. S. PAPER – II

(RAS SHASTRA)

(Part – I & II)

Time Allowed: 3 Hours *Maximum Marks: 50 + 50*

Note: Use separate Answer Sheet for each Part

Part – I

Q1) किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक के अंक समान हैं। (10x2)

(क) औषध एवं भैषज्य में अन्तर स्पष्ट करते हुए भैषज्य कल्पना के आधार-भूत सिद्धान्तों का उल्लेख करें।

(ख) औषध की सवीर्यतावधि का वर्णन करते हुए, क्षार सूत्र निर्माण की विधि का उल्लेख करें।

[Turn Over

(ग) स्नेहपाक प्रकारों का उल्लेख करते हुए, अणु तैल की निर्माण विधि एवं चिकित्सय उपयोगिता का वर्णन करें।

Q2) टिप्पणी लिखें :- (6x5)

(i) END RUNNER (ii) क्षीर पाक

(iii) अरिष्ट (iv) तक्र वर्ग

(v) रसक्रिया (vi) अर्क-कल्पना

PART - II

नोट :- सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं

1) बास्ति कल्पना का वर्गीकरण करते हुये, निरूह एवं अनुवासन बास्ति की निर्माण विधि का वर्णन करें। (10)

2) नस्य के भेदों का वर्णन करते हुये, लेप कल्पना को समझायें । (10)

3) टिप्पणी लिखें :- (6x5)

(A) पिण्डी एवं विडालक

(B) धूम्रपान - वर्गीकरण

(C) सर्जरस मलहर

(D) GELS & LOTIONS

(E) DRUG & COSMETIC ACT 1942

(F) STANDARDIZATION OF AYURVEDIC FORMULATIONS.

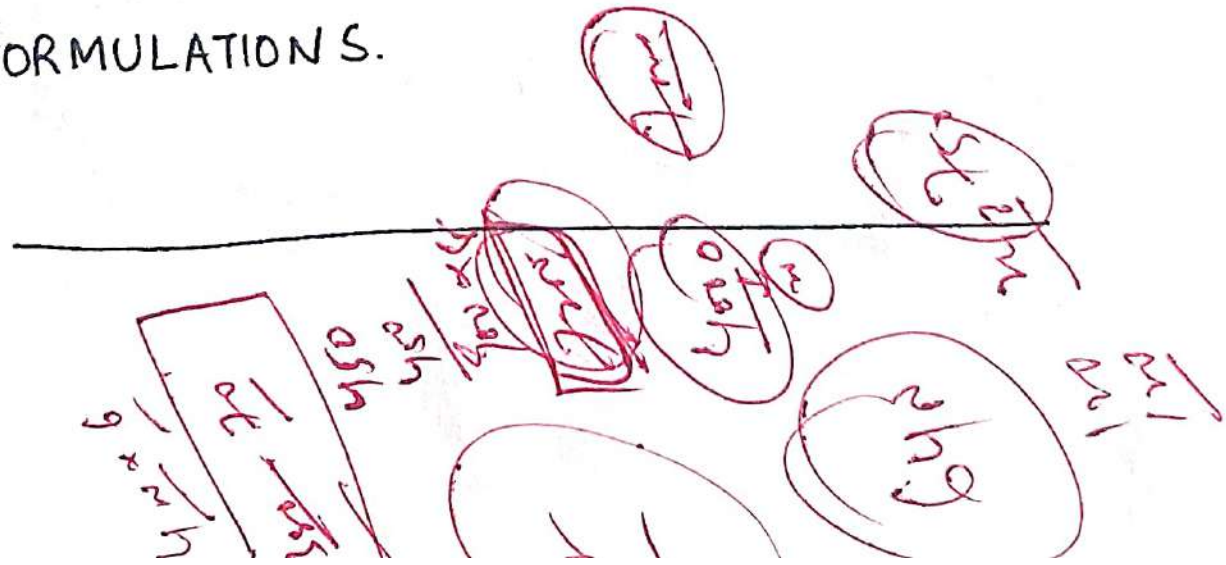

Total No. of Questions-5] [Total No. of Printed Pages-2

B.A.M.S. II - Professional Examination

AYUR-II/12(R&P)

238987

RAS SHASTRA

Course No. - II (A & B)

Time Allowed -3 Hours *Maximum Marks-100*

Note: *Use separate answer sheet for* ***each*** *Part.*

Part - A

1. कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक के अंक समान हैं। **(2×10=20)**

क) औषध सेवन काल का वर्णन करते हुए, भैषज्यकल्पना के क्रमिक विकास का वर्णन करें।

ख) औषध द्रव्यों की संग्रह सरंक्षण, सबंध की विधियों का उल्लैख करें।

ग) स्नेह गूच्छ्ना का उल्लेख करते हुए, ब्राह्मी धृत की निर्माण विधि एवं उपयोग का वर्णन करें।

2. टिप्पणी लिखेः **(6×5=30)**

i) Edge Runner.

ii) वर्ति निर्माण

iii) आसव-अरिष्ट

iv) पथ्य-अपथ्य

v) धन-सत्व

vi) क्षीरपाक

Part - B

Note: सभी प्रश्न करने **अनिवार्य** हैं।

1. नेत्रोपचारार्थ कल्पनाओं का विस्तृत वर्णन करे। **(10)**

2. औषध निर्माणशाला का वर्णन करते हुये, Drug & Cosmetic Act 1940 and Rules 1945 को समझाइये। **(10)**

3. टिप्पणी लिखेः **(6×5=30)**

   a) आयुर्वेदिक काष्ठौषधियों का मानकीकरण।

   b) गंधक–मलहर।

   c) व्रणधूपन एवं अर्शोधूपन।

   d) मर्श एवं प्रतिमर्श–नस्य।

   e) Ointments and Creams.

   f) Eyedrops and eye ointments.

◆◆◆◆

Total No. of Questions-5] [Total No. of Printed Pages-2

B.A.M.S. II - Professional Examination

AYUR-II/12(R&P)

238987

RAS SHASTRA

Course No. - II (A & B)

Time Allowed -3 Hours *Maximum Marks-100*

Note: *Use separate answer sheet for* ***each*** *Part.*

Part - A

1. कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक के अंक समान हैं। **(2×10=20)**
   क) औषध सेवन काल का वर्णन करते हुए, भैषज्यकल्पना के क्रमिक विकास का वर्णन करें।
   ख) औषध द्रव्यों की संग्रह सरंक्षण, सबंध की विधियों का उल्लैख करें।
   ग) स्नेह मूर्च्छना का उल्लेख करते हुए, ब्राह्मी धृत की निर्माण विधि एवं उपयोग का वर्णन करें।

2. टिप्पणी लिखेः **(6×5=30)**
   i) Edge Runner.
   ii) वर्ति निर्माण
   iii) आसव-अरिष्ट
   iv) पथ्य-अपथ्य
   v) धन-सत्व
   vi) क्षीरपाक

Part - B

Note: सभी प्रश्न करने **अनिवार्य** हैं।

1. नेत्रोपचारार्थ कल्पनाओं का विस्तृत वर्णन करे। **(10)**

2. औषध निर्माणशाला का वर्णन करते हुये, Drug & Cosmetic Act 1940 and Rules 1945 को समझाइये। **(10)**

3. टिप्पणी लिखेः **(6×5=30)**

   a) आयुर्वेदिक काष्ठौषधियों का मानकीकरण।

   b) गंधक–मलहर।

   c) व्रणधूपन एवं अर्शोधूपन।

   d) मर्श एवं प्रतिमर्श–नस्य।

   e) Ointments and Creams.

   f) Eyedrops and eye ointments.

◆◆◆◆

Part-B

Total No. of Questions-3+4] [Total No. of Printed Pages-2

Ayur-II/3(S)

213037

BAMS Paper-II

[Rasashastra of Bhaishajya Kalpana]

Time allowed :3 hrs. Maximum Marks: 50+50

Note: Use separate answer sheet for each Part.

PART-A

1) "भैषज्य कल्पना" के आधार भूत सिद्धान्तों का संक्षिप्त रूप से वर्णन करें। (15)

2) निम्नलिखित पर नोट लिखें :

(क) मागधमान (ख) सर्वियतवर्धि

(ग) लाक्षारस (घ) मर्सी कल्पना

(ङ) क्षारसूत्र (3×5)

3) विस्तृत वर्णन करें :

(A) DISINTEGRATOR (B) स्नेह सिद्धि के लक्षण

(C) आसव अरिष्ट में अंतर

(D) स्वरसकल्पना

(E) कृत अन्न एवं औषधिसिद्ध अन्न। (4×5)

[TURN OVER..

Part-B

Note: Attempt all questions from this part.

4. Explain GMP in accordance to schedule-T. (10)

5. Explain Netraupacharartha kaplana in detail. (10)

6. Write short answers to:

   (i) Define standard? Need for standardization. (2,4)

   (ii) Sarjarasa Malhara and shatadhouta gurita. (3,3)

   (iii) Gandusha and kavala (3,3)

7. Write short answers to:

   (i) Types of Basti (6)

   (ii) Vranadhupana & Arshodhupan (3,3)

*****

Total No. of Questions – 8] [Total No. of Printed Pages -3

(Ayur)–II/02(S)
210203

B.A.M.S. PAPER – I

(Ras Shastra Avam Besajya Kalpana)

Time Allowed: 3 Hours Maximum Marks: 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाग – I

1) रसशाला निर्माण विधि लिखकर रसौषधियों की महत्ता पर प्रकाश डालें। (10+5)

2) संक्षिप्त वर्णन करें :-

(क) निर्वाप (ख) निरुत्थ
(ग) जारणा (घ) लोहितिकरण
(ङ) रुद्रभाग (2×5)

3) परिभाषित करें :-

(क) पञ्चगव्य (ख) द्रावक गण
(ग) राजफुट (घ) हठ मुद्रा
(ङ.) वृन्ताक मूषा। (2×5)

[Turn Over...

4) वर्णन करें :-

(क) पारद के भेद
(ख) पारद के संस्कार
(ग) रसकर्पूर निर्माण विधि एवं मात्रा
(घ) गगन पर्पटी निर्माण एवं आमयिक प्रयोग
(ङ.) पोटली कल्पना (3×5)

भाग - II

5) अभ्रक के भेदों का वर्णन कर, शहस्त्रपुटी अभ्रक भस्म निर्माण विधि, मात्रा, अनुपान, आमयिक प्रयोग एवं विशिष्ट योग लिखें। (15)

6) वर्णन करें :

(क) शिलाजीत का ग्राह्य स्वरूप
(ख) कांक्षी का निर्जलीकरण
(ग) अञ्जनों का शोधन
(घ) माक्षिक के भेद
(ङ.) वैक्रान्त का ग्राहस्वरूप (2×5)

(16)

7) वर्णन करें :-

(क) लौह के भेद

(ख) नाग का शोधन

(ग) वङ्ग का मारण

(घ) रत्नों के नाम

(ङ) मोदन्ती का मारण एवं उपयोग।

(2×5)

8)(क)उपविषों के नाम एवं वत्सनाभ का सामान्य शोधन।

(ख) कस्तूरी भैरव रस निर्माण विधि एवं मात्रा

(ग) सप्ताम्र लौह के घटक एवं उपयोग।

(घ) आरोग्यवर्धनी वटी के घटक द्रव्य एवं निर्माण विधि

(ङ) हेमगर्भ पोट्टली रस की निर्माण विधि, मात्रा एवं आमयिक प्रयोग।

(3×5)